NOM : Évaluation en langue d'origine (cycle III) : HINDI

एक अनोखा स्कूल

अगली सुबह नौजवान जादुगरनीयां कमरे में दाखिल हुईं जहां जादु का शरबत बनाने की परीक्षा होने वाली थी. हमेशा की तरह इमितहान के समय की चिन्ता का माहोल छाया था. हर छात्रा यही सोच रही थी कि किया उसे सारे सूत्र अच्छी तरह से याद हैं. एक मेरी हमसाई जो कलास की जादुगरनीयों में सब से बड़ी थी, उसे कोई चिंता नहीं थी इसलिए कि उस को हमेशा सब कुछ आता था और ऐसी परीक्षा उस के लिए एक छोटी बात थी. उस ने हाथ उठाया और पुछा ः

- मेडम, किया हमें अपनी किताब में देखने का अधिकार है ?
- चलें सब लड़कीयां अपनी अपनी जगह पर जाऐं ! जलदी करें ! अध्यापक ने हुकम दिया. हर छात्रा की एक कड़ाही है और कोइ भी बात न करे.

आज की परीक्षा के लिए आप को एक ऐसा शरबत बनाना है जिस को पी कर बहुत हंसी आऐ लेकिन किताबों में देखना मना है. वहां आप, अपनी पुस्तक तुरन्त बन्द करें. अब आप काम खामोशी से शुरू करें और जब काम खतम करलें तो उस का नतीजा देखने के लिऐ आप को खुद शरबत चखना होगा. चलें, शुरू करें.

जिल मरफी की किताब *आमान्दीन मालाबुल, फूहड़ जादुगरनी* से उद्धरण

स्ही जवाब पर गोल दायरा बनाओ

1 **<u>इस उद्धरण का लेखक कोन है ?</u>**

आमान्दीन मालाबुल जिल मरफी अध्यापक

2 **<u>यह कलास कियुं और कलासों की तरह नहीं है ?</u>**

छात्राअैं बहुत कम उमर हैं

अध्यापक बहुत कठोर है

सब छात्राअैं जादुगरनीयां हैं

3 **<u>परीक्षा कि दौरान छात्राअैं एक दुसरे की मदद कर स्कती हैं ?</u>**

हां नही थोड़ी सी

4 **<u>अध्यापक कैसे जाचँती है कि छात्रा परीक्षा में सफल होगई है ?</u>**

छात्रा जोर से हंसने लगती है

छात्रा चुप रेहती है

छात्रा बातचीत करना शुरू करती है

…../2 + …../2 + …../2 + …../2 + = …../8